राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 14 जून • 2025

ैज्ञानिकों ने 2570 गांवों के कृषकों को सिखाए खेतीबाड़ी के गुर

ुर (एसएनबी)। केंद्रीय कृषि एवं
ा कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा
गए विकसित कृषि संकल्प अभियान
ई से 12 जून 2025) में वि विद्यालय
ीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के 45
कों की टीमो ने 2570 गांवों के
ों से संवाद कर उनको खेतीबाड़ी के
विकसित तकनीकों की बारीकियां
यीं।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी
द्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉ.
यादव ने बताया कि अभियान में
टीमों में कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक,
ीएआर वैज्ञानिक तथा कृषि विभाग के
ारी एवं कर्मचारी सम्मिलित रहे। इस
ान के द्वारा कृषकों को फसलों की
यु अनुकूल किस्में,धान की सीधी
मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं कृषि में ड्रोन
ीकी का प्रयोग, फसल विविधीकरण,
में यंत्रीकरण एवं केंद्र तथा प्रदेश
र द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी
ओं की जानकारी दी गई। अभियान के

कृषि संकल्प अभियान के संबंध में जानकारी देते आईसीएआर अटारी जोन-3 के निदेशक डॉ. एसके दुबे। फोटो : एसएनबी

अंतर्गत बीते 3 जून को प्रदेश के कृषि,कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बिल्हौर के ग्राम सराय दस्तम में कृषकों को संबोधित किया। तत्पश्चात 8 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रीष्मकालीन मक्का फसल का हवाई सर्वेक्षण कर जनता महाविद्यालय अजीतमल औरैया में कृषकों को संबोधित किया।

डॉ. यादव ने बताया कि इस अभियान में जनपद रायबरेली में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कृषकों को संबोधित किया।

निदेशक प्रसार ने बताया कि इस अभियान में वि विद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा 1898 कार्यक्रम कराए गए, जिसमें 2570 ग्रामों के 323109 कृषकों से संवाद कर उन्हें कृषि तकनीक की जानकारी दी गई।

कृषकों के मुद्दे उभर कर आए : आईसीएआर अटारी जोन 3 कानपुर के निदेशक डॉ. एसके दुबे ने बताया कि पूरे प्रदेश व देश में विकसित कृषि संकल्प अभियान (29 मई से 12 जून 2025) तक चलाया गया, जिसमें आईसीएआर व कृषि विज्ञान केंद्रों के विशेषज्ञों द्वारा किसानों के मध्य व्यापक कृषि की नवीनतम तकनीकों को फैलाने का कार्य किया गया। इस दौरान विभिन्न फसलों और कृषि क्षेत्र में अनुसंधान योग्य समस्याएं भी सामने आयीं। साथ ही फसलवार अनुसंधान योग्य समस्याओं की पहचान की गई।

डॉ. दुबे ने बताया कि मध्य उत्तरप्रदेश के कृषकों में उर्द की हरी प्रजाति के बीज तथा मूंग में पीला रोग सहनशील बीजों की आवश्यकता महसूस की गई। उन्होंने कहा कि खरीफ में तिल की पानी सहनशील प्रजातियों की आवश्यकता महसूस हुई। वहीं, आलू, धान, गन्ना, करेला व खीरे की रोगरोधी प्रजातियों की आवश्यकता महसूस की गई।

Section 1 ULBT-2

Office of the Municipal Commissioner/Chief Engineer/ Executive Engineer/ Executive Officer, Nagar Palika/Nagar Panchayat

Address:- NAGAR PALIKA PARISHAD RATH

Re - E- Tender Notice

Letter No: 559/etendernpprath/CM-NVY/Dated: 06-06-2025

1. The **Nagar Palika Parishad Rath** invites under the plan **Mukhyamantri Vaishvik Nagroday Yojna (CM-VNY)** invites the percentage rate bids **through** e-tendering system from the eligible and approved Contractors registered with autonomous body/Public Sector Department/ State Government/Central Government or any government department in appropriate class **A & B (Solvency according to direction by Nideshalay Lucknow)** as the

दैनिक जागरण 14/06/2025

किसानों ने बताई आलू, धान, गन्ना, करेला व खीरे की रोगरोधी प्रजातियों की जरूरत

- सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के 45 विज्ञानियों की टीमों ने 2570 गांवों के किसानों से किया संवाद
- शोध व क्षेत्रीय परीक्षण के माध्यम से अनुसंधान व विकास करने का दिया आश्वासन

जागरण संवाददाता, कानपुर : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 29 मई से 12 जून तक चलाए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कृषि विज्ञानियों ने किसानों के बीच जाकर कृषि की नवीनतम तकनीकों के प्रति जागरूक किया गया। आइसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) अटारी जोन तीन के निदेशक डा. एसके दुबे ने बताया कि किसानों से हुए संवाद के दौरान विभिन्न फसलों और कृषि क्षेत्र में अनुसंधान योग्य समस्याएं भी सामने आई। मध्य उप्र के किसानों ने उड़द की हरी प्रजाति के बीज व मूंग में पीला रोग सहनशील बीज, खरीफ में तिल की पानी सहनशील प्रजाति और आलू, धान, गन्ना, करेला व खीरे की रोगरोधी प्रजातियों की जरूरत बताई। निदेशक डा. दुबे ने कहा कि किसानों द्वारा बताई गई समस्याओं के समाधान के लिए कृषि विज्ञानी शोध व क्षेत्रीय परीक्षण के माध्यम से नीति निर्माण और अनुसंधान करने में जुटेंगे।

वहीं, सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डा. आरके यादव ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्रों के 45 वैज्ञानिकों की टीमो ने 2570 गांवों के किसानों से संवाद कर उनको खेती-बाड़ी के नव विकसित तकनीकों की बारीकियां समझाई। इस अभियान में किसानों को फसलों की जलवायु अनुकूल किस्में, धान की सीधी बुवाई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड व कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रयोग, फसल विविधीकरण, कृषि में यंत्रीकरण एवं केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिससे वे पैदावार बढ़ा सकें।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत गांव में जाकर किसानों से संवाद करते कृषि विज्ञान केंद्र के स्टाफ सदस्य ● सीएसए

सीएसए के वैज्ञानिक गांव और किसानों के लिए समर्पित।डॉ आर के यादव

निष्पक्ष पोस्ट कानपुर डॉ कृष्ण मोहन त्रिपाठी

देश का जाना माना संस्थान चंद्रशेखर आजाद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जिसके वैज्ञानिकों ने किसानों,जमीनों और अन्न के लिए अपने को समर्पित कर दिया 2570 गांवों के कृषकों को सीएसए के वैज्ञानिकों ने सिखाए खेती बाड़ी के गुर* चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान (9 मई से 12 जून 2025) में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के 45 वैज्ञानिकों की टीमो ने 2570 गांवों के किसानों से संवाद कर उनको खेती-बाड़ी के नव विकसित तकनीको की बारीकियां समझाई। डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में गठित टीमों में कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक, आईसीएआर वैज्ञानिक तथा कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित रहे।इस अभियान के द्वारा कृषकों को फसलों की जलवायु अनुकूल किस्में,धान की सीधी बुवाई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रयोग, फसल विविधीकरण, कृषि में यंत्रीकरण एवं केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 3 जून 2025 को प्रदेश के कृषि,कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही जी ने बिल्हौर के ग्राम सराय दस्तम में कृषकों को संबोधित किया। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर तकनीकी खेती अपनाने व टिकाऊ खेती करने पर जोर दिया। तत्पश्चात दिनांक 8 जून 2025 को प्रदेश के ओजस्वी एवं दूरदर्शी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने भी ग्रीष्मकालीन मक्का फसल का हवाई सर्वेक्षण कर जनता महाविद्यालय अजीतमल औरैया में कृषकों को संबोधित किया। मा.मुख्यमंत्री जी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के किसान पहले दो फसलें ही उगाते थे ,परंतु आज तीसरी फसल (ग्रीष्मकालीन मक्का) का प्रदेश में 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उत्पादन करके मुनाफा कमा रहे हैं। और यही किसानों के परिवर्तन का आधार है। डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में जनपद रायबरेली में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह ने कृषकों को संबोधित कर कृषि में वैज्ञानिक तकनीके अपनाने की अपील की। निदेशक प्रसार ने बताया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा 1898 कार्यक्रम कराए गए। जिसमें 2570 ग्रामों के 323109 कृषकों से संवाद कर उन्हें कृषि तकनीक की जानकारी दी गई।

सूर्योदय 05.12 | सूर्यास्त 07.00
अधिकतम 42.0° | न्यूनतम 32.0°
सोना ₹ 1,01,550
चांदी ₹ 1,10,000

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 349 कानपुर, शनिवार 14 जून 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

www.rashtrivaswaroop.in

कृषकों को वैज्ञानिकों ने सिखाए खेती के गुर

कानपुर 7 चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान (9 मई से 12 जून) में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के 45 वैज्ञानिकों की टीमो ने 2570 गांवों के किसानों से संवाद कर उनको खेती-बाड़ी के नव विकसित तकनीको की बारीकियां समझाई। डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में गठित टीमों में कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक, आईसीएआर वैज्ञानिक तथा कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित रहे। इस अभियान के द्वारा कृषकों को फसलों की जलवायु अनुकूल किस्में,धान की सीधी बुवाई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रयोग, फसल विविधीकरण, कृषि में यंत्रीकरण एवं केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 3 जून 2025 को प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बिल्हौर के ग्राम सराय दस्तम में कृषकों को संबोधित किया। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर तकनीकी खेती अपनाने व टिकाऊ खेती करने पर जोर दिया। तत्पश्चात दिनांक 8 जून 2025 को प्रदेश के ओजस्वी एवं दूरदर्शी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी ग्रीष्मकालीन मक्का फसल का हवाई सर्वेक्षण कर जनता महाविद्यालय अजीतमल औरैया में कृषकों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के किसान पहले दो फसलें ही उगाते थे ,परंतु आज तीसरी फसल (ग्रीष्मकालीन मक्का) का प्रदेश में 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उत्पादन करके मुनाफा कमा रहे हैं। और यही किसानों के परिवर्तन का आधार है। डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में जनपद रायबरेली में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कृषकों को संबोधित कर कृषि में वैज्ञानिक तकनीके अपनाने की अपील की। निदेशक प्रसार ने बताया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा 1898 कार्यक्रम कराए गए। जिसमें 2570 ग्रामों के 323109 कृषकों से संवाद कर उन्हें कृषि तकनीक की जानकारी दी गई।

किसानों को वैज्ञानिकों ने सिखाए खेती बाड़ी के तकनीकी गुर

अभियान के तहत २५७० गांवों के किसानों से किया संवाद

कानपुर, 13 जून। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से चलाए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान (9 मई से 12 जून 2025) में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के 45 वैज्ञानिकों की टीमों ने 2570 गांवों के किसानों से संवाद कर उनको खेती-बाड़ी के नव विकसित तकनीको की बारीकियां समझाई। सीएसए के निदेशक प्रसार डॉ आर. के. यादव ने बताया कि इस अभियान में गठित टीमों में कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक, आईसीएआर वैज्ञानिक तथा कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित रहे।इस अभियान के द्वारा कृषकों को फसलों की जलवायु अनुकूल किस्में,धान की सीधी बुवाई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रयोग, फसल विविधीकरण, कृषि में यंत्रीकरण एवं केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अभियान के अंतर्गत विगत 3 जून 2025 को प्रदेश के कृषि,कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने बिल्हौर के ग्राम सराय दस्तम में कृषकों को संबोधित किया। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर तकनीकी खेती अपनाने व टिकाऊ खेती करने पर जोर दिया। 8 जून 2025 को प्रदेश के ओजस्वी एवं दूरदर्शी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी ग्रीष्मकालीन मक्का फसल का हवाई सर्वेक्षण कर जनता महाविद्यालय अजीतमल औरैया में कृषकों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसान पहले दो फसलें ही उगाते थे ,परंतु आज तीसरी फसल (ग्रीष्मकालीन मक्का) का प्रदेश में 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उत्पादन करके मुनाफा कमा रहे हैं। और यही किसानों के परिवर्तन का आधार है। डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में जनपद रायबरेली में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कृषकों को संबोधित कर कृषि में वैज्ञानिक तकनीके अपनाने की अपील की। निदेशक प्रसार ने बताया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा 1898 कार्यक्रम कराए गए।

अंक-101 कानपुर, शनिवार 14 जून 2025 पृष्ठ-8 मूल्य ₹.50

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

आवश्यक
इस समाचार में
लेख किसी भी
लिए 2 दिन में ही
हमे सूचित करें
शिकायत पर वि
किया जाये
8303331758

2570 गांवों के कृषकों को सीएसए के वैज्ञानिकों ने सिखाए खेती बाड़ी के गुर

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान (9 मई से 12 जून 2025) में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के 45 वैज्ञानिकों की टीमो ने 2570 गांवों के किसानों से संवाद कर उनको खेती-बाड़ी के नव विकसित तकनीको की बारीकियां समझाई डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में गठित टीमों में कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक, आईसीएआर वैज्ञानिक तथा कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित रहे इस अभियान के द्वारा कृषकों को फसलों की जलवायु अनुकूल किस्में,धान की सीधी बुवाई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रयोग, फसल विविधीकरण, कृषि में यंत्रीकरण एवं केंद्र तथा प्रदेश

सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 3 जून 2025 को प्रदेश के कृषि,कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बिल्हौर के ग्राम सराय दस्तम में कृषकों को संबोधित किया कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर तकनीकी खेती अपनाने व टिकाऊ खेती करने पर जोर दिया तत्पश्चात दिनांक 8 जून 2025 को प्रदेश के ओजस्वी एवं दूरदर्शी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी ग्रीष्मकालीन मक्का फसल का हवाई सर्वेक्षण कर जनता महाविद्यालय अजीतमल औरैया में कृषकों को संबोधित किया मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के किसान पहले दो फसलें ही उगाते थे परंतु आज तीसरी फसल (ग्रीष्मकालीन मक्का) का प्रदेश में 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उत्पादन करके मुनाफा कमा रहे हैं और यही किसानों के परिवर्तन का आधार है डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में जनपद रायबरेली में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह ने कृषकों को संबोधित कर कृषि में वैज्ञानिक तकनीके अपनाने की अपील की निदेशक प्रसार ने बताया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा 1898 कार्यक्रम कराए गए जिसमें 2570 ग्रामों के 323109 कृषकों से संवाद कर उन्हें कृषि तकनीक की जानकारी दी गई।

महानगर
वर्ष-4, अंक-257, पृष्ठ-13
मूल्य: एक रूपये

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक RNI/NO/UPHIN49792/16/4/2021

सच की अहमियत

कानपुर | शनिवार,14 जून 2025 | कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड

2570 गांवों के कृषकों को सीएसए के वैज्ञानिकों ने सिखाए खेती बाड़ी के गुर

कानपुर - चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान (9 मई से 12 जून 2025) में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के 45 वैज्ञानिकों की टीमो ने 2570 गांवों के किसानों से संवाद कर उनको खेती-बाड़ी के नव विकसित तकनीको की बारीकियां समझाई डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में गठित टीमों में कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक, आईसीएआर वैज्ञानिक तथा कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित रहे इस अभियान के द्वारा कृषकों को फसलों की जलवायु अनुकूल किस्में,धान की सीधी बुवाई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रयोग, फसल विविधीकरण, कृषि में यंत्रीकरण एवं केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 3 जून 2025 को प्रदेश के कृषि,कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बिल्हौर के ग्राम सराय दस्तम में कृषकों को संबोधित किया कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर तकनीकी खेती अपनाने व टिकाऊ खेती करने पर जोर दिया तत्पश्चात दिनांक 8 जून 2025 को प्रदेश के ओजस्वी एवं दूरदर्शी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी ग्रीष्मकालीन मक्का फसल का हवाई सर्वेक्षण कर जनता महाविद्यालय अजीतमल औरैया में कृषकों को संबोधित किया मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के किसान पहले दो फसलें ही उगाते थे परंतु आज तीसरी फसल (ग्रीष्मकालीन मक्का) का प्रदेश में 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उत्पादन करके मुनाफा कमा रहे हैं और यही किसानों के परिवर्तन का आधार है डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में जनपद रायबरेली में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह ने कृषकों को संबोधित कर कृषि में वैज्ञानिक तकनीके अपनाने की अपील की निदेशक प्रसार ने बताया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा 1898 कार्यक्रम कराए गए जिसमें 2570 ग्रामों के 323109 कृषकों से संवाद कर उन्हें कृषि तकनीक की जानकारी दी गई।

कृषकों को वैज्ञानिकों ने सिखाए खेती के गुर

प्रशिक्षण

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान (9 मई से 12 जून) में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के 45 वैज्ञानिकों की टीमो ने 2570 गांवों के किसानों से संवाद कर उनको खेती-बाड़ी के नव विकसित तकनीको की बारीकियां समझाई।

डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में गठित टीमों में कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक, आईसीएआर वैज्ञानिक तथा कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित रहे। इस अभियान के द्वारा कृषकों को फसलों की जलवायु अनुकूल किस्में,धान की सीधी बुवाई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रयोग, फसल विविधीकरण, कृषि में यंत्रीकरण एवं केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक

◆45 वैज्ञानिकों की टीमों ने 2570 गांवों के किसानों से संवाद कर बताई खेती की तकनीकि

हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 3 जून 2025 को प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बिल्हौर के ग्राम सराय दस्तम में कृषकों को संबोधित किया।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर तकनीकी खेती अपनाने व टिकाऊ खेती करने पर जोर दिया। तत्पश्चात दिनांक 8 जून 2025 को प्रदेश के ओजस्वी एवं दूरदर्शी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी ग्रीष्मकालीन मक्का फसल का हवाई सर्वेक्षण कर जनता महाविद्यालय अजीतमल औरैया में कृषकों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के किसान पहले दो फसलें ही उगाते थे ,परंतु आज तीसरी फसल (ग्रीष्मकालीन मक्का) का प्रदेश में 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उत्पादन करके मुनाफा कमा रहे हैं। और यही किसानों के परिवर्तन का आधार है।

डॉ यादव ने बताया कि इस अभियान में जनपद रायबरेली में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कृषकों को संबोधित कर कृषि में वैज्ञानिक तकनीके अपनाने की अपील की। निदेशक प्रसार ने बताया कि इस अभियान में विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा 1898 कार्यक्रम कराए गए। जिसमें 2570 ग्रामों के 323109 कृषकों से संवाद कर उन्हें कृषि तकनीक की जानकारी दी गई।